न्यायालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढबास (अलवर)

प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.एक्ट

राकेश बनाम राहुल वैगरा

....

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनि यल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
12.10.2021	आज यह प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.एक्ट वास्ते अस्थाई निषेधाज्ञा वकील प्रार्थी ने दावे के साथ पेश किया। दावा वो प्रार्थना पत्र को पढा गया। वकील वादी/प्रार्थी को एक पक्षीय सुना गया। बहस वकील प्रार्थी वो प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न दस्तावेजात वो शपथ पत्र प्रार्थी से प्रार्थी का प्रथम दृष्टया मामला प्रतीत होता है। सुविधा सन्तुलन प्रार्थी के पंक्ष में है नापूर्ति क्षति भी प्रार्थी को ही है। अतः अप्रार्थीगण को जर्ये अस्थाई निषेधाज्ञा दिनांक 08.11.2021 तक इस अमर से पाबन्द किया जाता है कि अप्रार्थीगण आराजी खसरा नम्बर 667 रकबा 0.0600, 678 रकबा 0.5100हे0 किता 2 रकबा 0.5700 हे0, 547 रकबा 0.2200 हे0, 682 रकबा 0.3000 हे0 वाके ग्राम जिलोता तहसील किशनगढबास के रिकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनाये रखे। क्यो ना यह आज्ञा ताफैसला दावा स्थाई कर दी जावे जो भी आपत्ति हो हाजिर अदालत होकर उत्तर पेश करे, वकील प्रार्थी इस अमर का रजिस्टर्ड ए.डी. तलबाना पेश करे। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर होकर दिनांक 08.11..2021 को पेश हो। उपखण्ड अधिकारी किशनगढबास(अलवर)	
8-11-21	वकील प्रार्थी उप० । तलबाना तामील रिपोर्ट दिनांक 10-1-22 ~~[illegible]~~ को पेश हो।	
10-1-22	आज पंचायती प्रशासन गांवो के संग अभियान में ग्रा० पं० मुख्यालय पर पेश सिविल नहीं हो सका दि० 14-2-22 को पेश हो।	

14-2-22 वकील प्रार्थी उप०/इंतजार तामील रिपोर्ट दिनांक 22-3-22 को पेश हो। उक्त वकील प्रार्थी ने रजि० डाक रसीद पोस्ट ऑफिस पेश की है वास्ते गौर तामील उक्त मियाद को पेश हो।

22-3-22 वकील प्रार्थी उप०। वास्ते गौर तामील दिनांक 26-4-22 को पेश हो।

26-4-22 वकील प्रार्थी उप०। बार द्वारा कार्य स्थगन दिनांक 5-7-22 को पेश हो।

5-7-22 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 6-9-22 को पेश हो।

रीडर

6-9-22 वकील प्रार्थी उप०। वास्ते गौर तामील दिनांक 20-9-22 को पेश हो।

20-9-22 पत्रावली पेश हुई। वादी का मूलवाद अदम पैरवी अदम पैरवी में खारिज हो चुका है। अतः प्रार्थना पत्र भी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। प्रार्थना पत्र फैसल शुमार होकर संलग्न मूलवाद रहे।